

समग्र विकास संस्थान, रीटा बदायूं वार्षिक रिपोर्ट

01 जनवरी 2024 से 31 दिसम्बर 2024 तक



प्रशासनिक कार्यालय :- 479/11 11 C/O हरीश कोचर, मो० कृणापुरी
सिविल लाइन्स, बदायूं मो० न० :- +91-9412048476, 9412048476,
EMAIL :- svsvo.org@gmail.com

भूमिका :- उत्तर प्रदेश राज्य के मुख्य शहर में से एक बदायूं जो राज्य का महत्वपूर्ण जिला है ! बदायूं जिला उत्तर प्रदेश के रुहेलखण्ड में स्थित है जिसमे बदायूं के साथ-साथ बरेली, पीलीभीत शाहजहांपुर, मुरादाबाद, सभल, अमरोहा, रामपुर व बिजनौर जिले शामिल है ! बदायूं जिला गंगा नदी क सहायक नदी सोत नदी के समीप स्थित है, क्षेत्र फल की द्रष्टि से जिला बदायूं 4,234.21 Sq.Km. में फैला हुआ है ! जनपद में कुल 15 ब्लॉक है, इनमे कुल 1038 ग्राम पंचायत के 1474 गाँव है ! जनपद बदायूं की कुल आबादी 39,81,996 है, जिसमे 20,77,753 पुरुष तथा 19,04,243 महिलाएं है ! जनपद में बोली जाने वाली भाषा हिंदी है तथा यहाँ क कुल साक्षरता दर 52.27% है !

परिचय :- समग्र विकास संस्था (SVS) एक बाल अधिकार संस्था है जो वंचित समुदाय के बीच सामुदायिक जागरूकता के साथ-साथ के समस्त बालधिकार पर कार्य कर रही है, संस्था जागरूकता बैठक व सामुदायिक गोष्ठी के माध्यम से लोग को स्वेक्षिक सेवा दे रही है ! सन 1998 में सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट 1860 के तहत समग्र विकास संस्थान का रजिस्ट्रेशन करवाया गया है, संस्था का ज़मीनी सम्बन्ध जनपद बदायूं से है ! संस्था NGO दर्पण , FCRA, व ITAct 12(A) में भी पंजीकृत है ! संस्था की स्थापना जनपद बदायूं के एक छोटे से ग्राम रोट्टा ब्लॉक बजीरगंज के रहने वाले राजकुमार शर्मा जी के द्वारा की गई !

विजन :- सामाजिक उन्नति के लिए न्याय और समानता से परिपूर्ण समाज की स्थापना करना!

मिशन :- सम्पूर्ण सामाजिक उन्नति के लिए लोगों को संगठित कर सशक्त बनाना ताकि वह अपने अधिकार को सुनिश्चित कर सके !

सहयोगी एवं सहायक एजेंसी :- • क्राई-चाइड राइट्स एंड यू अमेरिका • जिव दया फाउंडेशन !

संस्था का लक्षित कार्यक्षेत्र :- • " क्राई " के सहयोग से जनपद बदायूं के 2 ब्लॉक (उझानी+उसावां) के 22 में बच्चों की शिक्षा व सुरक्षा के लिए कार्यरत है ! ब्लॉक उझानी के

अन्तर्गत 09 गाँव और ब्लॉक उसावां के अन्तर्गत 13 गाँव में संस्था कार्यरत है ! • “जिव दया फाउंडेशन” के सहयोग से ब्लॉक उसावां के 5 ग्रामों में बच्चों के स्वास्थ्य व पोषण के मुद्दे पर कार्यरत है!

संस्था द्वारा समुदाय स्तर पर किये गए कार्य :--

विद्यालय प्रबन्धन समित (SMC) के साथ की गई पहल :- संस्था कार्यक्षेत्र के परषदीय विद्यालय में एस एम् सी के सदस्यों के सक्रियकरण के लिए समय-समय पर बैठक के माध्यम से उनका क्षमता वर्धन किया गया, जिसमे लोगों को बताया गया परिषदीय विद्यालय के सुचारू रूप से संचालन के लिए विद्यालय प्रबन्धन समित का गठन क्या है!

समित का दायित्व है कि हर माह सभी सदस्य मिलकर विद्यालय स्तर पर अपनी एक बैठक



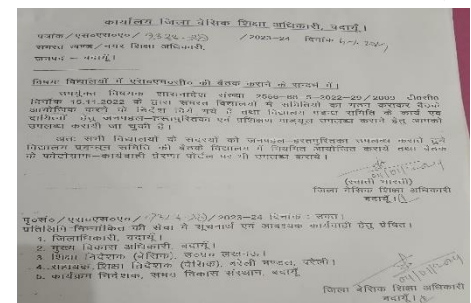
आयोजित करें जिसमे विद्यालय से सम्बंधित सभी मुद्दों पर एक दूसरे के साथ चर्चा कर उन पर साथ मिलकर कार्य भी करें! SMC सदस्यों की जिम्मेदारी है कि वह समय समय पर आकर अध्यापक गण से मिलकर बच्चों के ठहराव, शिक्षा की गुणवत्ता, MDM की गुणवत्ता, विद्यालय के आय- व्यय आदि के

मुद्दे पर बात करें और इस दौरान यदि कोई समस्या आती है तो विद्यालय में होने वाली मासिक बैठक में सभी सदस्यों के समक्ष इस बात को रखें और समस्या के समाधान पर पहल के लिए चर्चा करें! सभी को जानकारी दी गई कि यदि फिर भी समस्या के समाधान के लिए पहल नहीं की जा रही है तो आप सभी मिलकर लिखित रूप से BSA/ABSA से संपर्क कर समस्या से अवगत करा सकते हैं !

कार्यक्षेत्र के परिषदीय विद्यालयों में नवीन SMC का गठन करवाना :- कार्यक्षेत्र के विद्यालयों में SMC का कार्यकाल पूर्ण होने पर संस्था टीम के साथियों ने विद्यालय के अध्यापकों से बात की और SMC के पुनर्गठन के लिए पहल की ! संस्था टीम द्वारा पूर्व की भांति SMC गठन में संस्था द्वारा सहयोग किये जाने की बात की ! सभी को बताया की पूर्व में BSA द्वारा एक आदेश जारी किया गया था जिसमे विद्यालय प्रबन्धन समिति के गठन में समग्र विकास संस्थान के साथियों से सहयोग किये जाने की बात की गई थी ! इसी बात को ध्यान में रखते हुए सर्वप्रथम टीम द्वारा गाँव के सक्रिय सदस्यों की चिन्हित किया गया और विद्यालय के अध्यापकों को उन सदस्यों को SMC में शामिल करने की बात की, जिससे समिति में सक्रिय सदस्य शामिल हो और वे बच्चों की शिक्षा व विद्यालय की व्यवस्था में सहयोग करें ! विद्यालय के अध्यापकों ने भी संस्था के सदस्यों की बात को समझा और उनके बताये हुए सुझाव के आधार पर SMC का पुनर्गठन किया और सदस्यों में बदलाव किया ! संस्था टीम द्वारा 23 विद्यालयों में से 18 विद्यालयों में नवीन विद्यालय प्रबन्धन समिति का गठन करवाया !

कार्यक्षेत्र के परिषदीय विद्यालयों में नवीन SMC की नियमित बैठकें करवाना :- कार्यक्षेत्र के परिषदीय विद्यालयों में एस० एम० सी बैठको का नियमित आयोजन कराने के लिए संस्था टीम द्वारा विगत वर्ष B.S.A से मिलकर कार्यक्षेत्र के विधायालो में नियमित बैठके आयोजित कराने के लिए आदेश जारी करने की बात ! संस्था टीम की बात को संज्ञान में लेते हुए BSA द्वारा न केवल कार्यक्षेत्र के विधालय बल्कि समस्त जनपद के परिषदीय विधालय में नियमित SMC की बैठकें आयोजित करवाने का आदेश पारित किया था !

संस्था टीम द्वारा SMC की नियमित बैठके आयोजित करवाने के लिए पहल की गई लेकिन माह अक्टूबर में सरकार की गाइड लाइन के अनुसार पुनः SMC के गठन की प्रक्रिया शुरू की गई ! माह नवम्बर 2024 तक नवीन SMC का गठन संस्था टीम के सहयोग से करवाया गया! इसके बाद पुनः संस्था टीम ने BSA से संपर्क किया और फिर से विधालयों में नियमित बैठकें आयोजित करवाने के लिए आदेश जारी करने की बात की जिस पर पुनः BSA ने अपने whatsapp ग्रुप के माध्यम से विगत वर्ष के आदेश पत्र को हस्तांतरित कर नियमित बैठकें करने के सख्त निर्देश दिए ! उक्त प्रक्रिया के परिणाम स्वरूप संस्था टीम द्वारा कार्यक्षेत्र के ग्रामों में भ्रमण के दौरान देखा गया की ग्राम नौशेरा, मीरासराय,



SMC की नियमित बैठकों का आयोजन करवाने के लिए BSA द्वारा पूर्व में जारी आदेश की प्रतिलिपि!

अल्लापुरभोगी, दुदेनगर, रहमुदीनगर, बबई भटपुरा, रसूलपुर नगला, बछेली, मिर्जापुर अतिराज, गढ़िया हरदोपट्टी के परिषदीय विधालय में नियमित बैठकें होती है !

ग्राम प्रथ्वी नगला के SMC अध्यक्ष ने प्रधानाध्यापक से बात कर विद्यालय के आय व्यय का विवरण लिखित रूप से माँगा :- ग्राम प्रथ्वी नगला में संपर्क के माध्यम से SMC अध्यक्ष ने संस्था स्टाफ को बताया कि विद्यालय के प्रधानाध्यापक अपनी मर्जी से उनके जॉइंट बैंक खाते से रुपए निकाल लेते है और हसे केवल हस्ताक्षर करवाते है ! इस पर उन्हें बताया गया कि आपको क्षमता वर्धन करते समय बताया गया है कि विद्यालय में किये जाने वाले खर्चों के लिए प्रसाशन की तरफ से धनराशि SMC अध्यक्ष और प्रधानाध्यापक के साझा खाते में आती है और धनराशि को दोनों आपसे सहमती से ही निकाल सकते हैं ! ऐसे में यह आपका अधिकार है कि यदि प्रधानाध्यापक आपको रुपए निकालने का कारण नहीं बता रहे हैं तो आप स्वयं से इस बारे में पूछे और पूरी जानकारी पर अपनी नजर रखें ! अध्यक्ष ने संस्था स्टाफ की बात को समझते हुए विद्यालय के प्रधानाध्यापक से बात की और विद्यालय पर होने वाले सभी खर्चों का लिखित विवरण माँगा इस पर पहले तो अध्यापक ने बात को टालने की कोशिश की लेकिन SMC अध्यक्ष के बार बार पूछने के बात प्रधानाध्यापक ने विद्यालय पर होने वाले खर्चों का पूर्ण विवरण SMC अध्यक्ष को बताया !

संस्था द्वारा सी. बी. ओ. समूह के साथ की गई पहल :- संस्था स्टाफ कार्यक्षेत्र के लोगों को सशक्त बनाने के लिए संस्था द्वारा ग्राम स्तर पर CBO समूह का निर्माण किया गया ! CBO समूह में गाँव के 15 से 20 सक्रिय सदस्यों को शामिल किया गया है ! इस समूह में 50 प्रतिशत महिला तथा 50 प्रतिशत पुरुषों को शामिल किया गया है ! प्रति माह नियमित रूप से इस समूहों के साथ बैठकें की जाती है और बच्चों की शिक्षा व सुरक्षा से सम्बंधित सभी विषयों पर बात की जाती है ! सदस्यों का अपने बच्चों के जीवन से जुड़े विषयों पर क्षमता वर्धन किया जाता है ताकि आवश्यकता अनुसार समुदाय के लोग स्वयं से पहल कर अपनी समस्या का समाधान कर सकें ! बैठकों व संपर्क के माध्यम से 1098, 1076, 112, 102, 108, 1090, आदि टोल फ्री नंबर की जानकारी दी जाती है !

ग्राम सरकी की CBO सचिव ने अपने गाँव की 09 किशोरियों का नामांकन कस्तूरबा गाँधी विद्यालय में करवाया :- जनपद बदायूं के विकास खण्ड उझानी का ग्राम सरकी, संस्था कार्यक्षेत्र का चिन्हित ग्राम है जहाँ संस्था टीम पिछले 8 वर्षों से लगातार बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा व उनके सामाजिक विकास के मुद्दे पर कार्य रही है ! माह अप्रैल में नवीन शैक्षिक सत्र

प्रारम्भ होने पर संस्था टीम द्वारा गाँव के प्राथमिक विद्यालय से कक्षा-5 पास हुए बच्चों की सूची लेकर आगे नामांकन करवाने के सम्बन्ध में सभी बच्चों को घर घर जाकर ट्रेक किया गया जिसमें देखने को मिला कि 8 बालिकाएं ऐसी हैं जिन्होंने अभी तक कक्षा-6 में नामांकन नहीं करवाया था ! साथी द्वारा बच्चों के अभिभावकों से बात की गई तो उन लोगों ने बच्चों का नामांकन न करवाने के सम्बन्ध में अभिभावकों ने अलग-अलग कारण (गाँव में उच्च प्राथमिक विद्यालय न होना, प्राइवेट स्कूल में पढ़ाने के लिए आर्थिक स्थिति कमजोर होना, दूसरे गाँव जाने के लिए रास्ता सुरक्षित न होना आदि) बताये गए, जिसे साथी द्वारा अपने ट्रेकिंग रजिस्टर पर अंकित करते हुए बालिकाओं का नामांकन करवाने के बारे में समझाया गया !

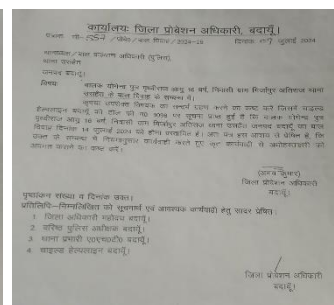
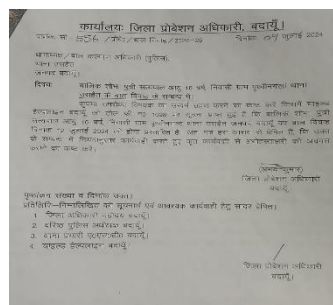
फील्ड स्टाफ द्वारा बालिकाओं के ड्रॉपआउट होने की समस्या कार्यक्रम समन्वयक के साथ साझा की गई जिस पर कार्यक्रम समन्वयक ने बताया कि हम लोग प्रयास करके ऐसे बच्चों के अभिभावकों को एकत्रित करके एक बैठक आयोजित करें जिसमें शिक्षा के महत्त्व को समझाते हुए सरकार द्वारा संचालित कस्तूरबा गाँधी आवसीय विद्यालय (KGBV) में बच्चों करवाने के प्रति जागरूक कर सकते हैं चूंकि अभिभावकों की मुख्य समस्या है प्राइवेट स्कूल में नामांकन के लिए फीस की कमी तो ऐसे में यदि वहां बच्चों का नामांकन हो जाता है तो वहां कोई शुल्क भी नहीं देना पड़ेगा और दूसरी बात यह कि समुदाय के लोगों को दूसरे गाँव भेजने के लिए आने-जाने का माहौल सुरक्षित नहीं लगता है तो ऐसे में KGBV में बालिकाएं सुरक्षित भी रहेंगी और कहीं आने-जाने की ज़रूरत भी नहीं होगी ! कार्यक्रम समन्वयक द्वारा दिए गए सुझाव के बाद फील्ड स्टाफ द्वारा ग्राम स्तर पर उक्त अभिभावकों के साथ बैठक का आयोजन किया गया, बैठक में एक अभिभावक ऐसे भी शामिल हुए जिनकी बच्ची ने विगत वर्ष में गाँव के ही प्राथमिक विद्यालय से कक्षा-5 पास किया था और वह भी आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण शिक्षा से वंचित हो गई थी ! इसी बैठक में श्रीमती प्रिया जोकि संस्था द्वारा ग्राम स्तर पर गठित CBO समूह की सचिव हैं उपस्थित हुईं और उन्होंने बैठक में दी गई जानकारी से अपनी बेटी का नामांकन कस्तूरबा गाँधी में करवाने के लिए तैयार हुईं ! उन्होंने संस्था स्टाफ से कहा कि आपने यह बहुत अच्छी जानकारी दी है इससे हमारी बेतिया पढ़ भी सकेंगी और उन्हें असुरक्षा भी नहीं होगी ! प्रिया जी ने कहा कि वह बेतियों का नामांकन करवाने में संस्था सत्फ का पूर्ण सहयोग करेंगी ! प्रिया जी ने अपने गाँव की उन सभी महिलाओं से बात की जिन्होंने अपनी बेटी का नामांकन कक्षा 05 पास के बाद नहीं कराया था ! उन्होंने सभी को समझाया और कस्तूरबा गाँधी के बारे में समझाया और कहा कि वह भी अपनी बेटी का नामांकन कस्तूरबा गाँधी में करवा रही हैं ! कई बार बात करने के बाद 09 बेतियों का नामांकन प्रिय जी ने कस्तूरबा गाँधी विद्यालय में करवाया !

ग्राम अल्लापुर भोगी, मीरासराय, मिर्जापुर अतिराज और प्रथ्वी नगला के CBO समूह की सक्रियता से 02 बालक और 05 बालिकाओं के बाल विवाह पर रोक लगवाई गई :- संस्था

टीम द्वारा ग्राम स्तर गठित CBO समूह किशोर तथा किशोरी समूह में बच्चों की शिक्षा व सुरक्षा से जुड़े विषयों पर बात की जाती है और जरूरत पड़ने पर आवश्यक

कार्यवाही करने के लिए प्रेरित किया जाता है ! इसी सम्बन्ध में ग्राम अल्लापुर भोगी मीरासराय और प्रथ्वी नगला में संस्था स्टाफ को CBO सदस्यों द्वारा गाँव में होने वाले बाल विवाह की जानकारी दी गई जिस पर संस्था स्टाफ ने बताया कि आप सभी सक्रीय सदस्य हैं और यह मामला आपके ही गाँव के बच्चों का है ! इस विषय पर आपको पहल करनी चाहिए! बातों को समझते हुए CBO सदस्यों ने चाइल्ड हेल्प लाइन पर कॉल की जिसके बाद जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा एक आदेश जारी किया गया जिस पर पहल करते हुए बाल कल्याण अधिकारी पुलिस, चाइल्ड लाइन टीम, सम्बंधित ठाणे के प्रभारी तथा AHTU के सहयोग से सभी बच्चों के बाल विवाह को रुकवाया गया और बच्चों के माता पिता से लिखित में सपथ प्रमाण पत्र लिया कि सही उम्र न होने तक बच्चों का विवाह नहीं करेंगे और यदि ऐसा किया तो उन पर कानूनी कार्यवाही की जाये !

बाल समूह, किशोरी समूह, किशोर समूह के सदस्यों के साथ की गई के हल :- संस्था द्वारा कार्यक्षेत्र के 22 ग्रामों में संस्था कार्यकर्ता द्वारा बच्चों के समूह बनाये गए हैं! इन समूहों के अलग अलग नाम दिए गए हैं जैसे 10-14 वर्ष तक के बच्चों को क्रान्तिकारी बाल समूह का नाम दिया गया है ! इस समूह में 15 से 20 बच्चों को शामिल किया गया है जिसमे 50 प्रतिशत बालक व 50 प्रतिशत बालिकाओं को शामिल किया गया है ! 11- 18 वर्ष तक के 15 से 20 बच्चों का एक सावित्री बाई समूह और एक आज़ाद समूह बनाया गया है ! सावित्री बाई समूह में किशोरियों और आज़ाद समूह में किशोरों को शामिल किया गया है ! संस्था टीम द्वारा नियमित रूप से इन समूहों के साथ बैठकें व संपर्क किया जाता है जिसके माध्यम से बच्चों को शिक्षा, बाल अधिकार, बाल विवाह, बाल श्रम, साइबर क्राइम, बाल भिक्षा वृत्ति, पोक्सो एक्ट, RTE एक्ट, तथा अन्य सभी विषय जो बच्चों के जीवन को प्रभावित करते हैं आदि पर जानकारी



बाल विवाह का केस दर्ज होने के बाद जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा विवाह को रोकने के लिए जारी आदेश पत्र

देकर उन्हें सशक्त बनाने का प्रयास किया जाता है ! समय समय पर बच्चों को जीवन कौशल का प्रशिक्षण देकर उनमें आत्म विश्वास, आत्म रक्षा, संवाद कौशल, निर्णय लेने की क्षमता, समस्या का समाधान करने की क्षमता, आदि का विकास करने का प्रयास किया जाता है ! बच्चों को अपनी समस्या के समाधान के लिए स्वयं से ग्राम ब्लाक जनपद स्तारिये व आवश्यकत पड़ने पर राज्य स्तारिये पहल करने के लिए प्रेरित किया जाता है !

कार्यक्षेत्र के एक गाँव में किशोरी ने स्वयं का बाल विवाह रुकवाया :- कार्यक्षेत्र के ब्लाक उसावां के एक गाँव में सीमा (बदला हुआ नाम) ने सन 2024 में कक्षा 10 पास किया था और कक्षा 11 नामांकन के लिए जब उसने अपने माता पिता से कहा तो उन्होंने कहा कि अब पढ़ने की जरूरत नहीं है ! अब तुम्हारी उम्र शादी के लायक हो गई है ! हमने तुम्हारी शादी की बात चलाई है और अब अगले 4-5 माह में तुम्हारी शादी कर देंगे ! जब किशोरी ने यह बात सुनी तो वह बहुत परेशान हुई और उसने यह बात संस्था स्टाफ को बताई और कहा कि अभी वह शादी नहीं करना चाहती है और आगे पढ़ना चाहती है ! संस्था स्टाफ ने बताया कि इस विषय पर तुम्हें स्पष्ट रूप से अपने माता पिता से बात करनी चाहिए क्योंकि जितने सही तरह से आप अपने माता पिता को समझा सकती हैं उतना कोई नहीं कर सकता ! संस्था स्टाफ ने यह भी बताया कि यदि जरूरत हो तो आप गुप्त रूप से चाइल्ड हेल्पलाइन की मदद भी ले सकती हैं क्योंकि इस हेल्पलाइन पर कॉल करने वाले का नाम गुप्त रखा जाता है ! किशोरी सीमा ने बात को समझा और अपने पिता से शादी न करने और आगे पढ़ने की इच्छा बताई तो पहले तो पिता ने कहा कि हम तुम्हारी शादी तय कर चुके हैं लेकिन जब किशोरी ने कहा कि जब आप ही उसकी इच्छा को नहीं समझेंगे तो कैसे वह ससुराल में जाकर अपनी बात रख सकेगी ! इसी बीच संस्था स्टाफ ने भी किशोरी के माता पिता को समझाया कि आपकी बच्ची पढ़ने में बहुत अच्छी है अगर आप इसे थोड़ा सा हौसला दें तो यह बहुत आगे तक जा सकती है और रही बात शादी की तो अभी तो बैसे भी इसकी शादी की उम्र नहीं है ! कम उम्र में विवाह करना कानूनी अपराध है यदि इस बात की सूचना किसी ने पुलिस को दे दी तो आप भी मुसीबत में पड़ जायेंगे ! इन सभी बातों को समझते हुए और अपनी बेटी की बात को समझते हुए सीमा के पिता ने अपनी बेटी की तय की गई शादी को कैंसल कर दी और आगे कक्षा 11 में नामांकन करवाया ! वर्तमान समय सीमा कक्षा 12 में पढ़ रही है और संस्था स्टाफ का धन्यवाद करती है जिनके द्वारा दी गई जानकारी से वह अपने जीवन का एक महत्वपूर्ण निर्णय ले सकी !

किशोरी समूह द्वारा परिषदीय विद्यालयों में नियमित रूप से सेनेटरी पेड के वितरण को लेकर की गई राज्य व राष्ट्र स्तरीय पहल से नियमित रूप से सेनेटरी पेड का वितरण होने लगा है :-

किशोरी बैठक में संस्था टीम द्वारा मासिक धर्म पर बात की गई और किशोरियों से जानकारी ली गई कि क्या उन्हें विद्यालय में सेनेटरी पेड मिलते हैं तो उन्होंने भी बताया कि उन्हें विद्यालय से सेनेटरी पेड नहीं मिलते हैं और वह पीरियड्स के दौरान 05 से 06 दिन विद्यालय नहीं जाती है ! इन सभी बातों को सुनकर संस्था स्टाफ ने सभी किशोरियों को बताया कि राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रत्येक उच्च प्राथमिक और राजकीय विद्यालयों में किशोरियों को सेनेटरी पेड वितरित किये जाते हैं ताकि बालिकाओं को पीरियड्स के दौरान विद्यालय में कोई भी असहजता न हो ! बालिकाओं को बताया कि यदि आपके विद्यालय में ऐसा नहीं है तो आपको इसके लिए पहल करनी चाहिए ! इस बात को सुनकर सभी लड़कियाँ कहा कि हम अपने विद्यालय में जाकर अध्यापक से बात करेंगे ! इसके बाद सभी किशोरियों ने अपने विद्यालय की प्रधानाध्यापक से बात की तो उन्होंने यह कहकर चिल्ला दिया कि ये क्या कोई बिस्कुट है जो सबको मिल गए और तुम रह गई ! अभी कोई भी सेनेटरी पैड विद्यालय में नहीं है जब आयेंगे तो दे देंगे तब तक साफ़ कपड़े का इस्तेमाल करो इसमें कुछ गलत नहीं है !

जब यह बात संस्था स्टाफ को बताई गई तो इस बात को संस्था की बैठक में साझा किया गया और फिर इस विषय पर एक कार्य योजना बनाई कि कार्यक्षेत्र की सभी किशोरियों से इस विषय पर बात करें और यह जाने कि क्या यह समस्या सभी के विद्यालय में है ! संस्था टीम ने जब इस बात हेतु कार्यक्षेत्र की सभी किशोरियों से बात की तो पता चला कि यह समस्या सभी किशोरियों के साथ के साथ है !

इसी बीच संस्था टीम द्वारा उच्च प्राथमिक विद्यालय विद्यालय, संविलियन विद्यालय और कस्तूरबा गाँधी विद्यालय में जीवन कौशल के दूसरे मॉड्यूल पर प्रशिक्षण दिया गया जिसके

माध्यम से 05 संविलियन
02 उच्च प्राथमिक और
02 कस्तूरबा गाँधी के
1234 बच्चों को जीवन
कौशल का प्रशिक्षण
दिया गया!



प्रशिक्षण के दौरान जब किशोरियों और अध्यापक से सेनेटरी पैड पर चर्चा की तो

पता चला की पुरे जनपद में ही बालिकाओं के लिए सेनेटरी पैड नहीं दिए जाते है और पीरियड्स के दौरान बालिकाओं को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता है ! सभी ग्रामीण क्षेत्रों तक सेनेटरी पैड की पहुँच न होने और अत्यधिक महंगे होने के कारण बालिकाए कपड़े का इस्तेमाल करती है इसलिए उन्हें कभी कभी अन्य शारीरिक समस्याओं का सामना भी करना पड़ता है ! इस बात को संज्ञान में लेते हुए संस्था टीम ने **कार्यक्षेत्र की किशोरियों के साथ मिलकर CM /UPSCPCR/NCPCR, को पोस्ट कार्ड अभियान चलाया और किशोरियों के माध्यम से जिला अध्यक्ष को पत्र लिखवाया ! इस प्रक्रिया में कार्यक्षेत्र के 22 गाँव की 316 किशोरियों ने हिस्सा लिया !**

परिषदीय विद्यालय पर कस्तूरबा गाँधी विद्यालय में आयोजित जीवन कौशल बैठकें

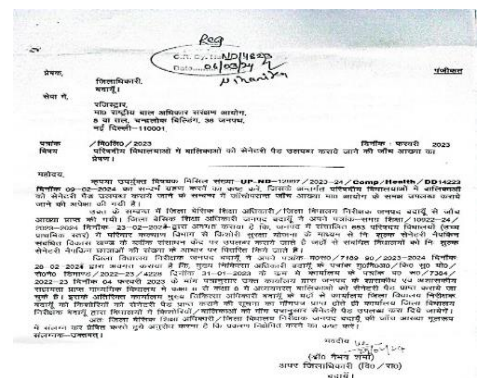


किशोरियों द्वारा भेजे गए पोस्ट कार्ड

जब जिला अधिकारी की तरफ से कोई भी सकारात्मक पहल नहीं हुई तो फिर संस्था टीम ने किशोरियों की आवाज को राष्ट्र स्तर तक पहुँचाने के लिए राष्ट्र बाल अधिकार संरक्षण आयोग को पत्र लिखा और जनपद के सभी विधायकों में बालिकाओं को सेनेटरी पैड वितरित करवाने की मांग की ! NCPCR की तरफ से उक्त विषय को गंभीरता से लेते हुए जिला अधिकारी को पत्र लिखकर आवश्यक कार्यवाही करने का आदेश दिया और संस्था को भी प्रतिलिप में रखा

NCPCR द्वारा भेजा गया जिला अधिकारी को पत्र

अनुपालन का पता लगाने के लिए संस्था टीम ने किशोरियों से कहा की सभी अपने विधायक में जाकर देखे की सेनेटरी पैड वितरित हो रहे है या नहीं ! सबसे पहले नेहा ने बताया की कोई भी पैड नहीं दिया गया है और उसने यह भी बताया की केवल उसके विधायक में ही नहीं बल्कि किसी भी सरकारी विद्यालय में पैड वितरित नहीं हुए



NCPCR द्वारा पुनः भेजा गया जिला अधिकारी को पत्र

है क्योंकि उसने अपने सभी रिश्तेदारों की किशोरियों से पूछा ! वही दूसरी तरफ संस्था टीम ने भी परिषदीय विद्यालय में बात कर प्रसाशन की तरफ से सेनेटरी पैड उपलब्ध कराये जाने की जानकारी ली तो उन्होंने भी मना कर दिया!

इसके बाद संस्था टीम द्वारा पुनः NCPCR को पत्र लिखकर सेनेटरी पैड वितरण के विषय में कोई भी कार्य न किये जाने की जानकारी दी ! इस पर NCPCR की

तरफ से पुनह जिला अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही कर एक रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए



NCPCRकी सदस्य द्वारा वितरित किये गए किशोरियों को सेनेटरी पैड !

! इसी बीच माह अक्टूबर में जिला बदायूं के डाइट ऑडिटोरियम में NCPCR की सदस्य गोमती मनोचा जी आई जिनके द्वारा जन सुनवाई कार्यक्रम किया गया ! उस कार्यक्रम में संस्था टीम द्वारा कार्यक्षेत्र की 100 किशोरियों को सेनेटरी पैड वितरित करवाए गए !

किशोरी नेहा द्वारा उठाई गई आवाज और कार्यक्षेत्र की सभी किशोरियों के सहयोग से संस्था द्वारा परिषदीय विद्यालयों में सेनेटरी पैड के वितरण की मांग को ग्रामीण क्षेत्र से निकाल कर राष्ट्र स्तर तक पहुँचाने का परिणाम यह हुआ है कि पिछले

04 -05 माह से नियमित रूप से विद्यालयों में बालिकाओं को सेनेटरी पैड दिए जा रहे हैं ! अब तक पुरे जनपद में 28000 / किशोरियों को सेनेटरी पैड वितरित किये जा चुके हैं नियमित सेनेटरी पैड की उपलब्धता से बालिकाएं पीरियड्स के समय विद्यालय से ड्रॉपआउट



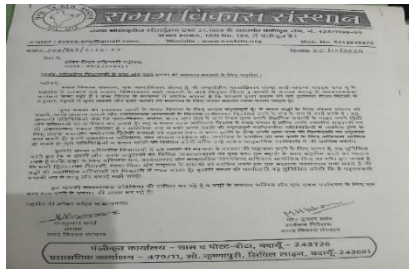
परिषदीय विद्यालयों में वितरित सेनेटरी पैड



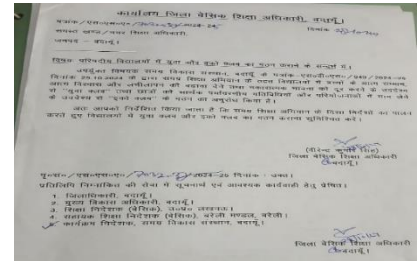
नहीं होती है और न ही पैड का इस्तेमाल करने से उनमें असहजता होती है ! संस्था टीम द्वारा नियमित रूप से कार्यक्षेत्र के विद्यालयों में सेनेटरी पैड के वितरण का विद्यालय

अवलोकन किया जाता है!

पर्यावरण सुरक्षा के लिए संस्था द्वारा किये कार्य :- संस्था बच्चों की शिक्षा व सुरक्षा के साथ साथ पर्यावरण सुरक्षा पर भी समुदाय में लोगों ओ जागरूक करती है ! चूँकि हम सभी पर्यावरण का हिस्सा है और वर्तमान समय में पर्यावरण की बढ़ती तवाही सभी के लिए विकराल समस्या बन चुकी है ! समग्र शिक्षा अभियान की गाइड लाइन के अनुसार संस्था टीम द्वारा परिषदीय विधालयों में इको और युवा क्लब का गठन करवाने के लिए पिछले शैक्षिक सत्र 2024 में



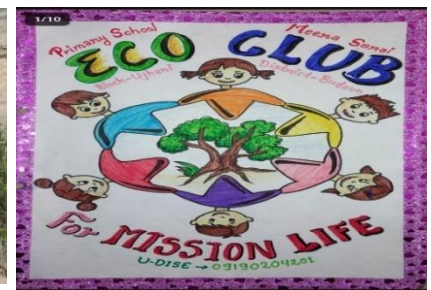
इको क्लब का गठन करवाने के लिए BSA को दिया गया पत्र



माह अक्टूबर में BSA से संपर्क कर न केवल कार्यक्षेत्र के विधालय बल्कि समस्त जनपद के परिषदीय विधालयों के लिए एक आदेश जारी करवाया ! आदेश का अनुपालन करते हुए दिसम्बर माह तक संस्था के सहयोग से कार्यक्षेत्र के सभी परिषदीय विधालयों में इको व युवा क्लब कर गठन हुआ ! गठन के बाद समूह के बच्चों को समूह के उधेश्य व उनकी जिम्मेदारियों पर क्षमता वर्धन किया !

BSA द्वारा इको क्लब का गठन करवाने के लिए जारी आदेश

बच्चों व अध्यापकों ने पर्यावरण की सुरक्षा को लेकर सपथ ली ! इको क्लब के समूह के माध्यम से विधायल में साफ़ सफाई को लेकर अभियान चलाया गया जिसमे विधालय, पेड़ पौधों आदि को साफ़ किया गया ! इको व युवा क्लब के



बच्चों ने पर्यावरण सुरक्षा को लेकर गाँव में जागरूकता लाने के लिए नारा लेखन किया !

जीवन कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से बच्चों के साथ की गई पहल :- कार्यक्षेत्र के सभी बच्चे आत्म निर्भर हो तथा सभी अपने जीवन के निर्णय लेने में सक्षम हो इसी उद्देश्य समय समय पर बच्चों को जीवन कौशल का प्रशिक्षण दिया जाता है ! संस्था द्वारा CRY द्वारा संचालित जीवन कौशल के मॉड्यूल पर किशोर किशोरियों तथा बाल समूह के बच्चों को प्रशिक्षण दिया गया जिसके माध्यम से बच्चों में आत्म निर्भरता आत्म विश्वास निर्णय लेना अपने विचारों को व्यक्त करना आदि की क्षमता को विकसित करने का प्रयास किया गया ! समय समय पर बच्चों की जानकारी का अवलोकन भी किया गया !

बाल श्रमिक विद्या योजना से प्राप्त आर्थिक सहायता से विद्यालय जाने के लिए बच्चों साइकिल खरीदी :- जनपद बदायूं के विकास खण्ड उझानी का ग्राम मीरासराय जो शहर से लगभग 1 Km. की दूरी पर है ! गाँव के ही एक छोर (किनारे) पर एक बस्ती है जहाँ गिहार समुदाय के लोग रहते हैं इसलिए इसे गिहार बस्ती के नाम से जाना जाता है ! इस बस्ती में 146 परिवार रहते हैं जिसमें 0 से 18 वर्ष के 457 बच्चे हैं ! गिहार समुदाय के लोगों का मुख्य व्यवसाय जूता पॉलिश करना है, इसलिए यहाँ से पुरुष लोग अधिकतर जूता पॉलिश करने का कार्य करते हैं तथा यहाँ कि महिलाएं सिरकी पाल बनाने व बेचने का कार्य करने के साथ ही साथ स्थानीय मेले व त्योहारों के अवसर पर श्रृंगार का सामान, पोस्टर व बच्चों के खेल खिलौने बनाने व बेचने का भी कार्य करती हैं ! एक सच्चाई यह भी है कि बस्ती में देशी शराब बनाने व बेचने कार्य किया जाता है जिस कारण यहाँ के लोग शराब का सेवन भी अधिक मात्रा में करते हैं और शराब के व्यवसाय में घर की महिलाओं को सम्मिलित करते हैं ! आज से 10 वर्ष पूर्व की बात करें तो यहाँ पर शिक्षा का स्तर इस हद तक निम्न था कि बस्ती का एक भी बच्चा कक्षा-10 तक नहीं पढ़ा था ! उसके बाद संस्था द्वारा क्राई के सहयोग से बस्ती के बच्चों के लिए चाइल्ड एक्टिविटी सेंटर (CAC) का संचालन कर बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने का कार्य किया गया और वर्तमान स्थिति यह है कि इस वर्ष शैक्षिक सत्र 2023-24 में गिहारबस्ती से 5 लड़कियों ने कक्षा-10 की परीक्षा उत्तीर्ण की है ! संस्था टीम द्वारा बच्चों को सशक्त बनाने के लिए ग्राम स्तर पर बाल समूह का गठन किया है जिसके माध्यम से हर माह बैठकें कर बच्चों को बालाधिकार से जोड़ते हुए शिक्षा सुरक्षा के मुद्दों पर जागरूक करने का कार्य किया जाता है, यह कहानी है एक ऐसी बच्ची की जो बस्ती की सक्रिय किशोरी होने के साथ-साथ संस्था द्वारा गठित बाल समूह की अध्यक्ष भी है !

गिहार बस्ती में रहने वाले खुशी (उम्र-12 वर्ष) के पिता का नाम श्री अशोक है जो परिवार का भरण पोषण करने के लिए जूता पॉलिश करने का कार्य करते हैं, वर्ष 2020 में कोरोना काल के समय खुशी की माँ (श्रीमती गुड्डो) की मृत्यु हो गई थी ! खुशी के परिवार में उसके अलावा 3 बहन (विनीता-21 वर्ष, काजल-20 वर्ष, महक-16 वर्ष) तथा 2 भाई (शिवम-23 वर्ष व अमन-11 वर्ष) हैं ! खुशी की बड़ी बहन विनीता मानसिक रूप से विकसित है जबकि काजल की शादी हो गई तथा महक कक्षा-10 में पढ़ रही है इसी तरह खुशी का बड़ा भाई शिवम अपने

पिता के साथ जूता पॉलिश करने का कार्य करता है तथा छोटा भाई अमन-कक्षा-6 में पढ़ रहा है ! माता की मृत्यु होने के उपरान्त राज्य सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) के तहत संस्था टीम द्वारा खुशी व उसके भाई अमन का इस योजना में आवेदन करवाया था जिसके तहत खुशी व उसके भाई को आगे की पढ़ाई के लिए 2500/- प्रति माह की आर्थिक सहायता मिलती है जो प्रायः (अक्सर) 3 माह बाद एक मुश्त ही प्राप्त होती है ! मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना में आवेदन करवाने के बाद जब सबसे पहले सरकार से सहायता प्राप्त हुई तो 6 माह की एक मुश्त धनराशि प्राप्त हुई तो खुशी व उसके भाई को 15-15 हजार कुल 30000/- का आर्थिक सहयोग मिला तो खुशी के पिता ने उस पैसे का उपयोग खुशी की बड़ी बहन काजल की शादी करने में तथा कुछ हिस्सा खुशी व अमन की पढ़ाई में खर्च किया ! खुशी के पिता अशोक शराब का सेवन अत्यधिक मात्रा में करते हैं तो कुछ पैसे उन्होंने अपनी शराब पीने में भी खर्च कर दिए और घर में कहने लगे कि अगली बार जब पैसे आएंगे तो एक मोटर साइकिल खरीदेंगे !

खुशी एक होनहार और सक्रिय किशोरी है इसलिए संस्था टीम द्वारा ग्राम स्तर पर गठित बाल समूह में खुशी को अध्यक्ष नामित किया है ! खुशी CAC पर आयोजित होने वाली बैठकों में बच्चों को एकत्रित करने में सहयोग भी करती है तथा बैठक में आयोजित गतिविधि में सक्रिय रूप से प्रतिभाग करती है ! संस्था टीम द्वारा क्राई के जीवन कौशल प्रशिक्षण मॉड्यूल को गिहार बस्ती के बच्चों के साथ भी लागू कर बच्चों को प्रशिक्षण दिया गया जिसमें बच्चों को आत्म सशक्तिकरण, निर्णय लेने की क्षमता का विकास, नेतृत्व की भावना का विकास, भावनात्मक बुद्धिमत्ता के माध्यम से अपनी और दूसरों की भावना को समझना तथा अपने शब्दों को स्पष्ट रूप से दूसरों तक पहुंचाना तथा समस्याओं के प्रति सकारात्मक सोच आदि के विषय पर जानकारी दी जाती है !



CAC पर आयोजित जीवन कौशल बैठक में शामिल (खुशी) व बच्चों के साथ TLM बनाती (खुशी)

जीवन कौशल की बैठक के दौरान खुशी ने बताया कि उसे मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) के तहत लाभ मिलता है जो कि हमारे और पिता जी के संयुक्त खाते में आता है ऐसे में पिता जी हम पर ज़बरदस्ती दबाव बनाते हुए अपने शराब पीने में या घर के अन्य ज़रूरी कार्यों में प्रयोग करने के लिए निकलवा लेते हैं और बाल श्रमिक विद्या योजना से जो लाभ

मिलता है उससे हम अपनी पढ़ाई के लिए प्रयोग करते हैं, ऐसी स्थिति में हम क्या कर सकते हैं ! इस पर समूह के अन्य बच्चों के साथ साथ CAC अध्यापक द्वारा बताया गया कि जीवन कौशल बैठकों के माध्यम से हम लोग आत्म सशक्तिकरण, निर्णय लेने की क्षमता व सकारात्मक सोच की बात करते हैं तो ऐसे में आप स्वयं निर्णय लेने का प्रयास करो कि हम उस पैसे का क्या उपयोग कर सकते हैं और किस प्रकार हम अपने पिता से बात कर सकते हैं ! CAC अध्यापक द्वारा समझाने के बाद खुशी ने हिम्मत करते हुए घर जाकर अपने पिता जी से बात करने का प्रयास किया और उन्हें बताया कि पापा जो पैसे हमें मिलते हैं वो हमारी शिक्षा में खर्च करने के लिए सरकार द्वारा दिया जा रहा है ऐसे में उस पैसे का उपयोग हमारी पढ़ाई-लिखाई में करना चाहिए ! खुशी के समझाने के बाद भी खुशी के पिता की नज़र उसी के पैसों पर थी इसलिए उसने निर्णय लिया कि हम गाँव से दूर बढ़ाचूँ पढ़ने के लिए विद्यालय जाते हैं तो ऐसे में अगर हम उस पैसे से एक साइकिल खरीदले तो विद्यालय जाने में आसानी होगी ! खुशी द्वारा अपनी सोच को CAC अध्यापक के साथ साझा किया और बताया कि अबकी बार जब हमें पैसे मिलेंगे तो हम पापा से मिलकर बात करेंगे और पैसे निकलवाकर उससे एक साइकिल खरीद लेंगे !



CAC अध्यापक द्वारा खुशी की सोच की सराहना करते हुए उसके निर्णय को सही समझा और उसके बाद माह मार्च में सरकार द्वारा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सामान्य के तहत बच्चों को आर्थिक सहायता के रूप में तीन माह की 7500/- की धनराशि बच्चों के खाते में हस्तान्तरित की गई ! बच्चों के खाते में पैसे आने के बाद जब खुशी के पिता ने खुशी से पैसे निकालने की बात की तो खुशी ने अपने पिता से कहा कि हम पैसे निकालेंगे तो उससे विद्यालय जाने के लिए साइकिल खरीदेंगे क्योंकि यहाँ से हम पैदल जाते हैं तो हम थक जाते हैं और विद्यालय जाने में भी देरी होती है ! इस पर पहले तो पिता जी ने मना किया लेकिन खुशी के काफी समझाने के बाद खुशी के पिता मान गए और उसे पैसे निकलवाकर एक साइकिल दिलवाई गई !

संस्था द्वारा चलाये गए अभियान

“स्वच्छता ही सेवा” अभियान

परिषदीय विद्यालयों में जागरूकता - स्वच्छता अभियान के तहत संस्था टीम द्वारा कार्यक्षेत्र

के परिषदीय विद्यालयों में अध्यापकों के साथ समन्वय बनाते हुए विद्यालयों में



बैठकों का आयोजन किया गया, बैठकों के माध्यम से संस्था टीम द्वारा बच्चों को साफ़ के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि हमे अपने घरों में व घरों के आस पास साफ़ सफाई रखना चाहिए ! घरों के आस पास कहीं कूड़ा इकट्ठा न होने दें, कूलर/बाल्टी आदि में पानी को एकत्रित करके न रखे क्योंकि ऐसा करने से मच्छर होने की सम्भावना रहती है जिससे डेंगू मलेरिया जैसी बीमारियाँ फैलने लगती है ! इसके अलावा बच्चों को बताया गया कि हम लोग जब विद्यालय आते है तो प्रतिदिन स्नान करके आये और किसी कारण से स्नान नहीं कर पाते है तो कम से कम हाथ व मुंह की सफाई का विशेष ध्यान रखें ! विद्यालय में आने के बाद जब भी शौचालय जाये तो आने के बाद हाथों को अवश्य साफ़ करें तथा MDM खाने से पहले व खाने के बाद हाथों को अच्छे से साबुन लगाकर साफ़ करें और यह प्रक्रिया नियमित आदत में लायें जिससे गन्दगी से होने वाली बीमारियों से बचा जा सके, इसके अतिरिक्त HANDWASH से सम्बंधित पोस्टर के माध्यम से बच्चों को हाथ धोने की प्रक्रिया के बारे में समझाया गया ! उच्च प्राथमिक विद्यालयों में महिला अध्यापक, आशा व आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री के सहयोग से किशोरी बालिकाओं के साथ माहवारी के समय साफ़ सफाई व स्वच्छता के विषय पर की गई जिसमे बालिकाओं को सनेट्री पैड के उपयोग के बारे में समझाने के साथ निश्चित समय के बाद पैड बदलने के बारे में भी समझाया गया तथा विद्यालय में सनेट्री पैड निस्तारण के लिए इन्सीनेटर बने है तो पैड को उसी में डालकर निस्तारित करें इधर उधर न फेंकें जिससे गन्दगी फैलने की सम्भावना हो साथ ही यह भी बताया गया कि सनेट्री पैड की जगह यदि कपड़े का उपयोग किया जाता है तो ध्यान रहें कि सूती व स्वच्छ कपड़ा हो जिससे कि गन्दगी व उससे होने वाली बीमारियों से बचाव किया जा सके ! कार्यक्षेत्र के 16 परिषदीय विद्यालयों में WASH पर जागरूकता बैठकें आयोजित की गई जिसमे कुल 995 बच्चों व 52 अध्यापकों ने प्रतिभाग किया !

बच्चों के समूहों के माध्यम से जागरूकता - कार्यक्षेत्र के चयनित ग्रामों में संस्था द्वारा गठित बच्चों के समूहों (बाल समूह, किशोर समूह व किशोरी समूह) के साथ स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत बैठकें आयोजित की गई जिसमे उपस्थित सदस्यों के साथ WASH PRACTICE पर जागरूकता बैठकें आयोजित की गई जिसमे बच्चों को बताया गया कि समूह के माध्यम से हम लोग गाँव में साफ़ सफाई रखने की पहल करें, गाँव में जहाँ कहीं पानी भरा है या नालियों में कूड़ा भरा है उसके लिए हम लोग मिलकर गाँव के प्रधान जी से बात करें और सफाई करवाने के लिए पहल करें, यदि ग्राम प्रधान नहीं सुनते है तो इसके लिए गाँव के सफाई कर्मचारी से बात करके उसकी साफ़ सफाई करवाने का प्रयास करें ! साफ सफाई के लिए खुद भी हम लोग पहल करें जिसमे सबसे पहले अपने घर से प्रारम्भ करते हुए घर व उसके आस पास सफाई रखें तथा घरों से निकलने वाले पानी को एक गहरे गड्ढे में एकत्रित करें जिससे पानी ज़मीन के अन्दर ही चला जाये, क्योंकि गन्दा पानी एकत्रित होता है वो वहाँ मक्खी मच्छर एकत्रित होते हो जिससे बीमारियाँ बढ़ने की सम्भावना रहती है तो प्रयास करें कि गाँव में साफ़ व सुरक्षित माहौल बनाया जा सके ! इसके अतिरिक्त किशोरी बालिकाओं को बाला

पुस्तक के माध्यम से माहवारी स्वच्छता प्रबन्धन के विषय पर जानकारी दी गई और बताया कि माहवारी के समय खान पान व साफ़ सफाई का विशेष ध्यान रखें ! शौचालय का प्रयोग करें तथा शौच के बाद हाथों को अवश्य साफ़ करें तथा अपनी आदत बनाएं कि नियमित स्नान करें, बालों को ज़्यादा बड़ा न होने दें तथा नाखून को समय समय पर काटते रहना चाहिए ! कार्यक्षेत्र के 22 ग्रामों में बाल समूह, किशोर समूह व किशोरी समूह के साथ कुल 14 बैठकें आयोजित हुई जिसमें 228 बच्चों ने प्रतिभाग किया !

1. ग्राम गढ़ियाचौरा कि किशोरी समूह की बालिकाओं ने साफ़ सफाई के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए विडियो सन्देश जारी किया !
2. ग्राम अल्लापुर भोगी में बाल समूह के बच्चों ने गाँव में जल भराव व कीचड़ की समस्या



को लेकर ग्राम प्रधान को शिकायती पत्र दिया है !

CBO व महिला समूह के माध्यम से जागरूकता - स्वच्छता ही सेवा अभियान को सफल बनाने हेतु संस्था टीम द्वारा कार्यक्षेत्र के चिन्हित ग्रामों में निश्चित प्लान के आधार पर CBO व महिला समूह के चिन्हित सदस्यों के साथ बैठकों का आयोजन किया गया जिसमें उपस्थित सदस्यों को स्वच्छता ही सेवा अभियान के बारे में चर्चा करते हुए बताया गया कि भारत सरकार द्वारा ग्राम स्तर से लेकर राज्य स्तर तक प्रत्येक विभाग के साथ मिलकर देश को स्वच्छ बनाने के लिए स्वच्छता ही सेवा है नामक अभियान संचालित किया है जो 17 सितम्बर से शुरू होकर 2 अक्टूबर तक चलेगा ! अभियान को सफल बनाने के लिए संस्था टीम द्वारा बताया गया कि आप सभी लोगों की ज़िम्मेदारी है कि सरकार द्वारा प्रत्येक ग्राम में कूड़ेदान बनवाए गए हैं तो आप लोगों की भी ज़िम्मेदारी है कि अपने-अपने घर का कूड़ा इधर-उधर न डालकर सीधे कूड़ेदान में ही डालें जिससे किसी भी प्रकार की गन्दगी या उससे होने वाली बीमारी फैल सके और यदि गाँव में कूड़ादान नहीं बने हैं तो गाँव के बहार जहाँ भी कूड़ा एकत्रित होते हैं उसी स्थान पर कूड़ा डालें और अपने घर के साथ साथ गाँव को स्वच्छ बनाने में सहयोग करें ! सरकार द्वारा घर घर शौचालय बनवाए गए हैं तो आप लोग खुले में शौच को न जाये, घरों में बने शौचालय का प्रयोग करें जिससे महिलाओं की सुरक्षा के साथ साथ गाँव में साफ़ सफाई भी बनी रहेगी ! उपस्थित लोगों को बताया गया कि नहाने से पहले घर के सामने या बाहर की नालियों व शौचालय की सफाई करें जिससे किसी भी प्रकार की गंदगी न फैल सके ! इसके अतिरिक्त उपस्थित सदस्यों को HANDWASH PRACTICE के पोस्टर के माध्यम से हाथ धोने की प्रक्रिया को समझाया गया तथा बैठक के बाद लोगों के हाथ भी धुलवाए गए ! कार्यक्षेत्र के

7 ग्रामों में बैठकें आयोजित की गई जिसमें 7 आशा कार्यकर्त्री, 6 आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री 2 आंगनवाड़ी सहायिका व 4 ANM ने प्रतिभाग किया !



WASHPRACTICE के लिए CAC केन्द्र पर बच्चों के साथ जागरूकता कार्यक्रम - संस्था द्वारा संचालित बाल गतिविधि केन्द्र (CAC) मीरासराय, अल्लापुर भोगी व गढ़ियाचौरा में प्रत्येक शनिवार को बाल पंचायत बैठकों का आयोजन किया जाता है जिसमें बच्चों के साथ बच्चों की शिक्षा व सुरक्षा से सम्बंधित समस्याओं का चिन्हीकरण करके उनके निस्तारण की पहल की जाती है ! संस्था टीम द्वारा शनिवार को आयोजित बाल पंचायत बैठक में बच्चों के साथ स्वच्छता ही सेवा अभियान के बारे में चर्चा की गई हम लोग गाँव में साफ़ सफाई रखने की पहल करें, गाँव में जहाँ कहीं पानी भरा है या नालियों में कूड़ा भरा है उसके लिए हम लोग मिलकर गाँव के प्रधान जी से बात करें और सफाई करवाने के लिए पहल करें, यदि ग्राम प्रधान नहीं सुनते है तो इसके लिए गाँव के सफाई कर्मचारी से बात करके उसकी साफ़ सफाई करवाने का प्रयास करें ! साफ सफाई के लिए खुद भी हम लोग पहल करें जिसमें सबसे पहले अपने घर से प्रारम्भ करते हुए घर व उसके आस पास सफाई रखें तथा घरों से निकलने वाले पानी को एक गहरे गड्ढे में एकत्रित करें जिससे पानी ज़मीन के अन्दर ही चला



जाये, क्योंकि गन्दा पानी एकत्रित होता है वो वहां मक्खी मच्छर एकत्रित होते हो जिससे बामरियाँ बढ़ने की सम्भावना रहती है तो प्रयास करें कि गाँव में साफ़ व सुरक्षित माहौल बनाया जा सके, इसके अतिरिक्त बच्चों को HANDWASH करवाया गया तथा HANDWASH करने के 12 तरीकों के बारे में समझाया गया ! तीनों केन्द्रों पर एक एक बैठक सहित कुल 3 बैठकें आयोजित हुई जिसमें 182 बच्चों ने प्रतिभाग किया !

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत आयोजित रैलियाँ - स्वच्छ कार्यक्षेत्र के चिन्हित ग्रामों में संस्था टीम द्वारा बच्चों अभिभावकों व अध्यापकों के साथ मिलकर स्वच्छता ही सेवा अभियान का प्रचार प्रसार हेतु पोस्टर पट्टिकाओं पर स्वच्छता से सम्बंधित नारे लिखकर बच्चों को ग्रामों में समुदाय के बीच रैली के माध्यम से बुलवाने को जागरूक किया गया ! संस्था टीम द्वारा ग्राम स्तरीय स्टेकहोल्डर (आशा, आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री व विद्यालय के अध्यापकों) के साथ संपर्क

व समन्वय बनाते हुए ग्राम स्तर पर जागरूकता रैली निकालने का प्लान बनाया गया और निश्चित प्लान के आधार पर सभी स्टेकहोल्डर्स के साथ मिलकर ग्राम स्तर पर जागरूकता रलियों का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय के बच्चों को साथ लेकर घर घर साफ़ सफाई का सन्देश दिया तथा ग्राम प्रधान के माध्यम से पंचायत स्तर पर साफ़ सफाई करवाने का प्लान बनाया गया ! रैली के दौरान बच्चों द्वारा बीच बीच में रैली को रोककर लोगों से बात चीत करते हुए अपने अपने घरों में साफ़ सफाई बनाये रखने का आह्वान किया साथ ही घरों की रखो सफाई तभी होगी देश में पढ़ाई, साफ़ सफाई अपनाओं गंदगी भगाओ, हम सबने ठाना है गाँव को स्वच्छ बनाना है, स्वच्छता ही सेवा है गन्दगी जानलेवा है, स्वच्छता है एक बड़ा अभियान आप भी दें इसमें अपना योगदान, गन्दगी मिटाओ बीमारी भागो, देखो जहाँ है सफाई वही है पढ़ाई जैसे आदि जागरूकता नारों के साथ पूरे गाँव में रैली का आयोजन किया गया ! कार्यक्षेत्र के 6 ग्रामों में रैलियों का आयोजन किया गया जिसमें 192 बच्चों ने प्रतिभाग किया !



“पूरी पढ़ाई देश की भलाई” अभियान

CRY के सहयोग से, SVS ने "पूरी पैदाई देश की भलाई" अभियान की शुरुआत की! उत्तर प्रदेश के बदायूँ जिले में लड़कियों की पढ़ाई को बढ़ावा देने के लिए इस अभियान की शुरुआत डी.एम.,

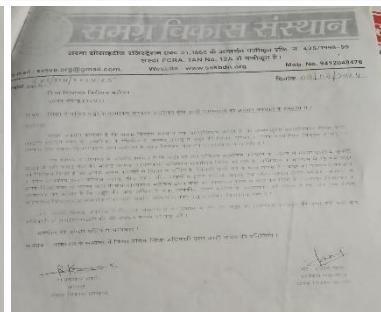
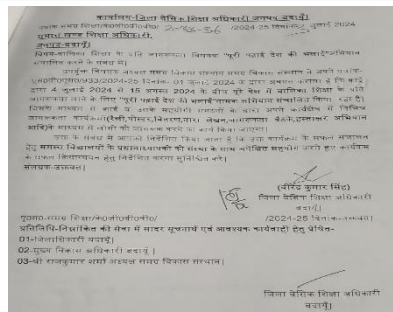
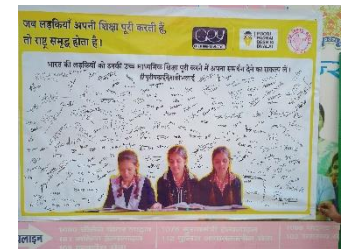


ए.डी.एम., सिटी मजिस्ट्रेट के साथ संयुक्त बैठक से हुई। एस.डी.एम., DIET के प्राचार्य, डी.आई.ओ.एस और बी.एस.ए. से बैठक के दौरान संगठन टीम ने अभियान के उद्देश्यों को समझाया और समर्थन मांगा ताकि अभियान को सफल बनाया जा सके !

उपस्थित सभी अधिकारियों ने इसका समर्थन किया! उनके समर्थन पर हस्ताक्षर करके हस्ताक्षर अभियान चलाएं।

इसके अतिरिक्त, संगठन की टीम द्वारा जिले से हस्ताक्षर एकत्रित किये गये। ब्लॉक स्तर के अधिकारियों के साथ-साथ जनता, विधायक, पूर्व मंत्री, ब्लॉक प्रमुख, पंचायत सदस्य जैसे प्रतिनिधि, एवं नगर पालिका अध्यक्ष एवं नगर पंचायत एवं समुदाय के सदस्य इस अभियान में शामिल हुए !

रैलियों के माध्यम से, टीम के सदस्यों ने यात्रा की और लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता फैलाई और कम से कम 12वीं कक्षा लड़कियों को पढ़ने के लिए समुदाय को प्रोत्साहित किया ! नारा लेखन के माध्यम से बालिका शिक्षा का सन्देश गाँव गाँव तक पहुँचाने का प्रयास किया गया !



पूरी पढ़ाई के समर्थन में BSA और DIOS द्वारा परिषदीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापक के लिए जारी पत्र

BSA व DIOS के माध्यम से पुरे जनपद में पूरी पढ़ाई सेध की भलाई अभियान में सहयोग करने के लिए आदेश जारी किया गया ! इस आदेश के माध्यम से 100 से अधिक बच्चों का नामांकन करवाया गया !

जिव दया फाउंडेशन के साथ संस्था द्वारा किये गए कार्य :- संस्था पिछले 03 वर्षों से जिव दया फाउंडेशन के साथ मिलकर ब्लॉक उसावां के ऐसे 05 गाँव बल्ले नगला, अमीन नगला, ताराचन्द्र बछेली, टिकाई खाम तथा कोनका नगला को चिन्हित किया गया जोकि अत्यधिक निम्न स्थिति में हैं ! ये गाँव गंगा के किनारे बसे हुए होने के कारण इन गाँव में बच्चों के स्वास्थ्य व पोषण से सम्बंधित बुनियादी सुविधाये भी उपलब्ध नहीं है ! इन गाँव में संस्था

जिव दया फाउंडेशन के सहयोग से 01 वर्ष से 05 वर्ष तक के बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण पर कार्य कर रही है ! आज से 03 वर्ष पहले तक इन गाँव में कुपोषित बच्चों की संख्या बहुत अधिक थी क्योंकि इन गाँव में बच्चों की शिक्षा स्वास्थ्य व पोषण से सम्बंधित कोई भी सुविधा नहीं है ! इसके अंतर्गत बच्चों को दूध और पारलेजी बिस्कुट दिया जाता है ! बच्चों को दूध व बिस्कुट देने के लिए गाँव के ही एक सदस्य को वालेंटियर के रूप में चयनित किया गया है ! नियमित रूप से बच्चों के विकास का अवलोकन किया जाता है ! 03-05 वर्ष तक के बच्चों को पोषण के साथ साथ विद्यालय पूर्व शिक्षा भी दी जाती है !

संस्था कार्यक्षेत्र के 02 गाँव बल्ले नगला और तारा चन्द्र बछेली ऐसे हैं जहाँ बच्चों के लिए कोई भी स्कूल नहीं है ! यहाँ के बच्चे पूरी तरह से शिक्षा से वंचित हैं ! जो अभिभावक अपने बच्चों को पढ़ाना चाहते हैं उन्हें बच्चों को 3-4 km दूर भेजना पड़ता है जोकी अत्यधिक असुरक्षित है ! संस्था द्वारा इन गाँव के लोगों को विद्यालय की मांग के लिए जिला व राज्य स्तरीय पहल करने के लिए प्रेरित किया जिसमे संस्था द्वारा पूर्ण सहयोग करने का आश्वासन दिया गया !

संस्था द्वारा गाँव के बच्चों व 180 परिवारों के लिए राशन किट (चावल, और दाल), 30 सोलर लैम्प (सोलर प्लेट के साथ), 150 बच्चों के लिए एजुकेशन किट (कॉपी, पुस्तक, पेंसिल, बॉक्स, स्लेट, बैग, आदि) तथा 150 बच्चों को यूनिफार्म, जूते मोज़े स्वेटर आदि वितरित किये गए !

ग्राम बल्ले नगला के समुदाय के लोगों ने स्थानीय विधायक से मिलकर गाँव में विद्यालय खोले जाने की मांग की :- ग्राम बल्लेनगला जोकि बिलकुल ही गंगा के किनारे पर बसा हुआ है ! इस गाँव में लगभग 40 परिवार हैं जिसमे 0 से 18 वर्ष के लगभग 146 बच्चें हैं ! इस गाँव में न ही बिजली की कोई व्यवस्था है और न ही कोई स्कूल है ! बच्चों को पढ़ने के लिए 03 से 04 km दूर जाना पड़ता है ! संस्था अध्यक्ष ने समुदाय की एक बैठक का आयोजन करवाया जिसमे उपस्थित सभी सदस्यों को अपने बच्चों की शिक्षा के लिए पहल करने हेतु जागरूक किया ! सभी को बताया कि आप लोग जिले पर बेसिक शिक्षा विभाग स्थानीय विधायक तथा राज्य स्तर पर राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग को लिखित पत्र के माध्यम से अपनी समस्या से अवगत करवाएं ! सभी सदस्यों को प्रेरित करते हुए बताया कि आपको संस्था द्वारा पूर्ण सहयोग दिया जायेगा ! संस्था आपको रास्ता दिखाएगी जिस पर चलना आपको स्वयं ही है ! समुदाय के सदस्यों ने संस्था अध्यक्ष की बात को समझते हुए विधायक राजीव कुमार से मुलाकात की और गाँव में विद्यालय खोले जाने की मांग की जिस पर विधायक जी द्वारा समस्या को राज्य स्तर तक पहुँचकर समाधान करवाने का आश्वासन दिया है ! समुदाय के लोग भी समय समय पर प्रक्रिया का अनुकरण कर रहे हैं ! अब समुदाय द्वारा विद्यालय की मांग के लिए राज्य स्तर तक पहल करने की योजना बनाई जा रही है !